>

Title : Need to take steps to check malnutrition in Gadchiroli and Amravati districts of Maharashtra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): महोदया, मैं समय-समय पर सरकार का ध्यान महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में कुपोषण से पीड़ित बच्चों की स्थिति के संबंध में दिलाता रहा हूं। अभी हालत यह है कि विदर्भ के गड़चिरौली और अमरावती जिले के मेलघाट इलाकों में बच्चों के कुपोषण की घटनाएं रूक नहीं रही हैं। पिछले साल महाराष्ट्र में कुपोषण के चलते 45 हजार बच्चों की मौत हुई थी। एक सर्वेक्षण से यह पता चला है कि नागपुर शहर में झुग्गी झोपड़ियों में 20 से 24 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार पाये गये हैं। शहरों की झुग्गी झोंपड़ियों में और आदिवासी क्षेत्रों में लोगों को कभी रोजगार मिलता है और कभी नहीं मिलता। इसका असर बच्चों पर ही नहीं, उनकी माताओं पर भी पड़ता है। डॉक्टरों का कहना है कि जो बच्चे बचपन से ही पूर्ण पौष्टिक आहार नहीं लेते हैं, बड़ा होने पर उनके आई0क्यू0 में भी कमी देखी गई है।

मेरा सरकार से यह निवेदन है कि इतने बड़े पैमाने पर बच्चों का कुपोषण का शिकार होना अत्यंत चिंता का विषय है। पोषक आहार की कमी के कारण ही यह हालत पैदा हुई है। इसलिए सरकार को आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में लोगों को मुफ्त में अनाज और पौषिक आहार देने पर विचार करना चाहिए। अभी ऐसा लगता है कि बच्चों को दोपहर का भोजन देने की योजना पर ठीक ढंग से अमल नहीं हो रहा है। बच्चों के साथ साथ माताओं को भी सही आहार देने की जरूरत है। राज्य सरकार को इस संबंध में समुचित कार्यवाही करने के लिए आवश्यक आदेश दिये जाने चाहिए।